Under CSR Support by Ipca Foundation missiongyan

अध्याय – 03 | जयशंकर प्रसाद

QUIZ-02

1. **कवि अपने जीवन को कैसा बताता है?**
   A. सुखी
   B. बेकार
   C. . विडंबना और छलपूर्ण
   D. इनमें से कोई नहीं (C)

व्याख्या : कवि अपने जीवन को विडंबना और छल से भरा हुआ मानते हैं।

2. **कवि यहाँ किस विडंबना की बात कर रहा है?**
   A. अपनी हँसी न उड़ाने की
   B. अपनी आत्मकथा की
   C. अपने जीवन की
   D. अपने बचपन की (C)

व्याख्या : कवि अपने जीवन की विडंबना का वर्णन करता है।

3. **कवि उपयुक्त पंक्तियों में किन रातों का उल्लेख करता है?**
   A. पूर्णिमा की रात
   B. अमावस्या की रात
   C. मधुर चाँदनी की रातों की
   D. कोई नहीं (C)

व्याख्या : कवि ने अपने जीवन की तुलना मधुर चाँदनी रातों से की है।

4. **कवि के जीवन में सुख किस प्रकार आए?**
   A. पत्ते की भाँति
   B. स्वप्न की भाँति
   C. गागर की भाँति
   D. उषा की भाँति (C)

व्याख्या : कवि कहता है कि जीवन में सुख स्वप्न के समान आते और चले जाते हैं।

5. **कवि जीवन में कैसे सुखों की कामना करता है?**
   A. उषा के समान
   B. मुरझाई हुई पत्तियों के समान
   C. आनंद विभोर करने वाले
   D. दुख प्रदान करने वाले (C)

व्याख्या : कवि चाहता है कि जीवन में ऐसे सुख हों जो आनंद और विभोरता प्रदान करें।

6. **"आलिंगन में आते-आते मुसक्याकर जो भाग गया" पंक्ति से क्या अभिप्राय है?**
   A. सुख अधूरा रह गया
   B. सुख स्थायी है
   C. सुख का मूल्य नहीं
   D. सुख का उपहास (C)

व्याख्या : यहाँ कवि ने बताया है कि सुख जीवन में आते-आते अधूरा रह जाता है।

7. **कवि की दृष्टि में जीवन की सबसे बड़ी कमी क्या है?**
   A. आलस्य
   B. छल और विडंबना
   C. दुख और पीड़ा
   D. आशा का टूटना (C)

व्याख्या : कवि मानता है कि जीवन छल और विडंबना से भरा है।

8. **"अरुण कपोलों की मतवाली छाया" का तात्पर्य क्या है?**
   A. ग्रीष्म ऋतु
   B. किसी प्रिय के स्नेहिल रूप से
   C. चाँद की किरणों से
   D. उषा की रोशनी से (C)

व्याख्या : यहाँ अरुण कपोलों की छाया प्रिय के स्नेहिल रूप और प्रेम का प्रतीक है।

9. **कवि दूसरों की भूलें और प्रपंच क्यों नहीं दिखाना चाहता?**
   A. ताकि लोग उस पर हँसे नहीं
   B. ताकि समाज उससे प्रभावित न हो
   C. ताकि स्वयं की कमियाँ न छिपें
   D. ताकि दूसरों का अपमान न हो (C)

व्याख्या : कवि चाहता है कि दूसरों की भूलें और प्रपंच उजागर न हों, क्योंकि यह अनुचित है।

10. **इस प्रसंग से क्या शिक्षा मिलती है?**
    A. अपनी कमियों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए
    B. दूसरों की कमजोरियों को उजागर नहीं करना चाहिए
    C. जीवन की विडंबनाओं को समझना चाहिए
    D. उपर्युक्त सभी (C)

व्याख्या : इस प्रसंग से आत्मावलोकन, सहिष्णुता और जीवन की वास्तविकताओं को समझने की शिक्षा मिलती है।

मिशन ज्ञान जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE! Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App